जाने का प्रस्ताव है ; यदि हां, तो यह पुनर्गठन कब तक हो जाएगा ;

(ख) खेल -कूद को 'राजनीति' के दलदल, वाह्य एवं आन्तरिक से अलग रखने के लिए क्या उपाय किए गए हैं ;

(ग) क्या खेल -कूद में भारत का नाम चमकाने के लिए कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ; और

(घ) यदि हां, तो , तत्सम्बन्धी रुप-रेखा क्या है और यह कब तक लागू हो जाएगी ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) से (घ) . अन्तर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति तथा अन्य संस्थाओं द्वारा निर्धारित शर्तों को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न खेल कार्यक्रमों तथा नीतियों का शीघ्र ही व्यापक पुनरीक्षण किए जाने का प्रस्ताव है । इस पुनरीक्षण में उन उपायों को भी शामिल किया जाएगा, जो विभिन्न खेल संस्थाओं में देश के खेलों के समुचित विकास में आने वाली अड़चनों को दूर करने तथा भारत को अपना नाम चमकाने के लिए आवश्यक होंगे ।

वर्ष 1975 के दौरान विदेशों में भेजे गये सांस्कृतिक शिष्टमंडल

137. **श्री निर्मल चन्द्र जैन :** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1975 में आपात स्थिति के दौरान विदेशों में कितने सांस्कृतिक शिष्ट-मंडल भेजे गये और उन में राजनीतिज्ञों की संख्या कितनी थी ।

(ख) विदेशों में संगीत और नृत्य के लिये कितनी मंडलियां भेजी गई और धर्म तथा नैतिकता सहित भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्शों का प्रचार करने के लिए कितने शिष्टमंडल भेजे गये ;

(ग) क्या इन शिष्ट मंडलों में कोई केन्द्रीय अथवा राज्य. मंत्री भी शामिल था ;

(घ) यदि हां, तो उसका नाम क्या है ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) से (घ). 1975 में आपात अवधि के दौरान, संस्कृति विभाग के विभिन्न सांस्कृतिक विनिमय/कार्यकलाप कार्यक्रमों के अन्तर्गत चार गैर-अभिनय सांस्कृतिक शिष्टमंडल विदेशों में भेजे गए थे जिन में विद्वान, कवि, लेखक, नृत्य निर्देशक शामिल थे, तथा सात सांस्कृतिक शिष्टमंडल, जिन में संगीतज्ञ, नृतक तथा कठपुतली वाले शामिल थे । इन सांस्कृतिक विनिमयों का मुख्य उद्देश्य, विदेशों के साथ पारस्परिक सद्भावना को बढ़ाने तथा घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंधों को विकसित करने की दृष्टि से विदेशों में भारत की सांस्कृतिक परम्परा को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत करना है । इन शिष्ट-मंडलों में कोई भी राजनीतिज्ञ अथवा केन्द्रीय अथवा राज्य मंत्री शामिल नहीं था ।

दिल्ली विकास प्राधिकरण के प्लाटों तथा फ्लेटों के आवंटन के लिए पंजीकरण

138. **श्री के० लकप्पा :** क्या **निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डी० डी० ए० के प्लाटों तथा फ्लैटों के आवंटन के लिए पंजीकरण बहुत समय तक बंद रहा जिस के फलस्वरूप बहुत से ऐसे व्यक्तियों को भारी असुविधा हुई जिन के अपने मकान नहीं और जो उन्हें प्राप्त करना चाहते हैं ; और

(ख) यदि हां, इन व्यक्तियों की सहायता करने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है ताकि कम और मध्य आय वर्ग के व्यक्तियों को कुछ राहत मिल सके ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) फ्लैटों के आवंटन के लिए आखरी पंजीकरण को 27-1-76 से 31-5-76 तक रखा गया था । प्लाटों के आवंटन के लिए पंजीकरण की ऐसी कोई पद्धति नहीं है । जब भी प्लाट उपलब्ध होते हैं, समाचार पत्रों के जरिये आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं । इसके अतिरिक्त झुग्गी झोंपड़ी योजना के अन्तर्गत भी प्लाटों का आवंटन किया जाता है ।

(ख) डी० डी० ए० ने निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए मकानों के निर्माण का एक कयाक्रम बनाया है । इस के अतिरिक्त सहकारी आवास समितियों को भी मकानों के निर्माण के लिए भूमि का आवंटन किया जाता है ।

500th Birth Centenary of Poet Surdas

139. SHRI DHARMA VIR VASISHT: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have received a memorandum from the Surdas Smarak Samiti, Sihi (Haryana) in connection with the 500th Birth Centenary of Hindi poet and saint Surdas; and

(b) if so, the steps taken to celebrate the national event generally in the country and particularly at the poet's birth place (Sihi) Haryana and Sadhna place (Goghat) U.P.?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER): (a) and (b): The Government have received a letter from the Chairman, Sur Memorial Committee, Sihi, regarding the Sur Quin-centenary National Celebration Committee and construction of a monument at Sihi. The matter is under the consideration of the Government.

केन्द्रीय विद्यालय

140. **श्री के० लकप्पा :** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में और विशेषकर कर्नाटक में केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या बहुत कम है ;

(ख) प्रत्येक राज्य मे कितने केन्द्रीय विद्यालय हैं और वे कहां-कहां स्थित हैं; और

(ग) सरकार अधिक केन्द्रीय विद्यालय खोलने के लिये क्या कार्यवाही कर रही हैं?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) से (ग) . केन्द्रीय विद्यालय (सेन्ट्रल स्कूलस) मुख्य रूप से सुरक्षा कार्मिकों सहित स्थानान्तरणीय केन्द्रीय सरकारी कर्म - चारियों के बच्चों के लिए है और देश में किसी खास स्थान पर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के संकेन्द्रण को ध्यान में रख कर उ के स्थान का निर्धारण किया जाता है । प्रत्येक वर्ष 12 केन्द्रीय विद्यालय खोले जाते हैं—8 सुरक्षा क्षेत्र में और 4 सिविल क्षेत्र में । इस के अतिरिक्त उन स्थानों पर भी केन्द्रीय विद्यालय खोले जाते हैं जहां पब्लिक क्षेत्र के उपक्रम स्थित होते हैं, बशर्ते की उपक्रम आवर्ती और अनावर्ती दोनों प्रकार के सम्पूर्ण खर्चे को वहन करने के लिए सहमत हों ।

विवरण के अनुसार इस समय कुल 222 केन्द्रीय विद्यालय हैं, जिन में से 9 कर्नाटक राज्य मे स्थित हैं । विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [ग्रथालय मे रखा गया । **देखिये** संख्या एल.टी-302/77]